

‘हनीकॉम्ब’ की विषय-सामग्री में सन्दर्भ की पड़ताल

रवि प्रताप सिंह



इस लेख में, मैं एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित सातवीं कक्षा की अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तक हनीकॉम्ब का विश्लेषण करूंगा।

औपचारिक स्कूली शिक्षा में पाठ्यपुस्तक की भूमिका

कोई भी इस तथ्य से इन्कार नहीं कर सकता कि औपचारिक स्कूली शिक्षा में पुस्तकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दूसरी ओर, यह भी सच है कि ज्ञान केवल किताबों की दुनिया तक सीमित नहीं है। अतः, हमें स्थिति का विश्लेषण करना होगा : शिक्षण में पुस्तकें किस स्तर पर एक आवश्यक उपकरण बन जाती हैं और कब शिक्षार्थी पाठ्यपुस्तक की सहायता के बिना सीखते हैं? प्रारम्भिक अवस्था में बच्चा यह सीखता है कि कैसे पढ़ना है और एक बार जब उसमें पढ़ने की क्षमता आ जाती है तो वह अपने जीवन में विभिन्न चीजों को सीखने के लिए विभिन्न स्रोतों से पढ़ने लगता है। इससे यह पता चलता है कि बच्चों के लिए पठन कौशल कितना महत्व रखता है। स्कूल में जब हम सीखने के शुरुआती चरणों में किसी बच्चे को देखते हैं तो हम पाते हैं कि लक्ष्य भाषा में ऐसी किताबें हैं जो उन्हें पढ़ने में मदद करती हैं। यह साबित हो चुका है कि मातृभाषा विभिन्न विषयों को सीखने में मदद करती है। इस प्रकार लगभग हर शिक्षाविद यही कहेगा कि लक्ष्य भाषा (हमारे मामले में हिन्दी और अंग्रेजी दोनों) को पढ़ाने और उन्हें मजबूत करने के लिए मातृभाषा (हमारे मामले में गढ़वाली) का उपयोग करना चाहिए। जब हम इस बात पर विचार करते हैं तो पाते हैं कि मातृभाषा विषय-सामग्री के

साथ सम्बन्ध स्थापित करने में मदद करती है। यह सम्बन्ध सामग्री की समझ के लिए आवश्यक है। इसके साथ ही यदि सामग्री शिक्षार्थियों के लिए सन्दर्भोचित हो तो अधिगम स्थाई होता है।

अब हम स्थिति को दो दृष्टिकोणों से देख सकते हैं। पहली तो है पाठ्यपुस्तक, जिसका हम (सुगमकर्ता) अपने स्कूलों या कक्षाओं में उपयोग करते हैं, और दूसरा है शैक्षणिक दृष्टिकोण, जिसका उपयोग हम अपने कक्षा-शिक्षण में करते हैं। पहले परिप्रेक्ष्य पर चिन्तन करते हुए हम इस बात का विश्लेषण करेंगे कि हमारी पाठ्यपुस्तकों की सामग्री हमारे शिक्षार्थी के लिए सन्दर्भोचित और प्रासंगिक है या नहीं। दूसरे, क्या यह सामग्री ऐसी दिलचस्प गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान करती है जो बच्चों के अधिगम में सहायक हो सके। इसका मतलब यह हुआ कि क्या अभ्यास इस प्रकार के हैं जो मज्जेदार तरीके से सीखने में बच्चों की मदद करें। दूसरे दृष्टिकोण का सम्बन्ध शिक्षकों की ग्रहणशीलता, शिक्षण-अधिगम के बारे में उनकी मान्यताओं से है और साथ ही यह देखना भी आवश्यक है कि वे लक्ष्य भाषा को मजबूत करने में स्थानीय भाषा का उपयोग कैसे करते हैं।

इस पृष्ठभूमि के साथ मैं अब सातवीं कक्षा में अपने अंग्रेजी शिक्षण के अनुभव को साझा करना चाहूंगा। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि आजकल हम अपने स्कूलों में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों का उपयोग कर रहे हैं। सातवीं कक्षा की अंग्रेजी की पाठ्यपुस्तक का शीर्षक हनीकॉम्ब है।

नीचे पुस्तक की विषय-वस्तु का सारांश दिया गया है :

इकाई-1	श्री क्वेश्चन्स (कहानी) द स्कैरल (कविता)	लियो टॉल्स्टॉय मिल्ड्रेड बॉवर्स आर्मस्ट्रांग	श्री क्वेश्चन्स टॉल्स्टॉय द्वारा लिखित एक कहानी है। द स्कैरल कविता है।	अच्छी कहानी है, बच्चे को सोचने का मौका देती है और यह कविता भी अच्छी है।
इकाई-2	ए गिफ्ट ऑफ चप्पल्स (कहानी) द रिबेल (कविता)	वसन्ता सूर्या डी. जे. एनराइट	ए गिफ्ट ऑफ चप्पल्स दक्षिण भारतीय साहित्य पर आधारित कहानी है। द रिबेल बच्चों के नटखटपन पर प्रकाश डालने वाली एक कविता है।	कहानी की पृष्ठभूमि एक दक्षिण भारतीय परिवार है। बच्चों के लिए इससे जुड़ पाना मुश्किल था।
इकाई-3	गोपाल एंड द हिल्सा फिश (हास्य चित्रकथा) द शेड (कविता)	फ्रैंक फिलन	गोपाल एंड द हिल्सा फिश एक हास्य चित्रकथा है। द शेड कविता में भाई-बहनों के बीच की बातचीत का वर्णन किया गया है।	गोपाल और हिल्सा मछली एक अच्छी हास्य चित्र कथा है।
इकाई-4	द एशोज दैट मेड ट्रीज ब्लूम (कहानी) चिवी (कविता)	विलियम इलियट ग्रिफिस माइकेल रोजन	द एशोज दैट मेड ट्रीज ब्लूम एक जापानी कहानी है। चिवी एक कविता है जो बच्चों के लिए बड़ों द्वारा बताई जाने वाली बातों के बारे में है।	जादुई भावों वाली जापानी कहानी सुनने और आनन्द लेने के लिए अच्छी है।
इकाई-5	क्वालिटी (कहानी) ट्रीज (कविता)	जॉन गाल्स्वर्थी शर्ली बौर	क्वालिटी कहानी लन्दन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। ट्रीज एक कविता है जो हमें पेड़ों के विभिन्न उपयोगों को समझने में मदद करती है।	क्वालिटी एक कहानी है जो अच्छा सन्देश देती है लेकिन यह विदेशी पृष्ठभूमि पर आधारित है।
इकाई-6	एक्सपर्ट डिटेक्टिव्स (कहानी) मिस्ट्री ऑफ द टॉकिंग फैन (कविता)	शारदा द्विवेदी मौड रुबिन	एक्सपर्ट डिटेक्टिव्स एक अच्छी कहानी है।	बच्चों ने इसका आनन्द लिया।
इकाई-7	द इन्वेंशन ऑफ वीटा-वॉक (फंतासी) डैड एंड द कैट एंड द ट्री (कविता)	रोआल्ड डाह किट राइट	यह काल्पनिक कहानी है। यह मजेदार कविता है।	कहानी काल्पनिक है। हालाँकि कुछ वाक्यांश ऐसे हैं जिनमें कठिनाई का स्तर बहुत अधिक है। कविता में सन्दर्भ की कमी है।

इकाई-8	फायर : फ्रेंड एंड फो (जानकारीपूर्ण) मेडो सरप्राइज़ेज (कविता)	लुइस ब्रैंड फिलिप्स	यह पाठ अग्नि की दोहरी प्रकृति को समझने के लिए अच्छा है। यह कविता घास के मैदान के आश्चर्यों को प्रकट करती है।	सन्दर्भ के हिसाब से अच्छी है।
इकाई-9	ए बाइसिकल इन गुड रिपेयर (कहानी) गार्डन स्नेक (कविता)	जेरोम के. जेरोम म्यूरियल एल. सोन	एक हास्य कहानी	बच्चा इससे जुड़ सकता है।
इकाई-10	द स्टोरी ऑफ क्रिकेट	रामचन्द्र गुहा	एक ज्ञानपूर्ण पाठ	बच्चा इसके साथ आसानी से जुड़ जाएगा। हालाँकि इसका लम्बा टेक्स्ट उसके लिए उबाऊ सकता है।

अब मैं एक-एक करके उपर्युक्त अध्यायों के लिए अपने अनुभव साझा करने का प्रयास करूँगा :

इकाई-1 : श्री क्वेश्चन्स (कहानी), द स्कवैरल (कविता)

श्री क्वेश्चन्स, टॉल्स्टॉय की एक दार्शनिक कहानी है। जब मैंने कक्षा से तीसरा प्रश्न पूछा, जो इस प्रकार है कि उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात क्या है? तो बच्चों की प्रतिक्रियाएँ इस प्रकार थीं – पढ़ना, खेलना आदि। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ रही थी, वैसे-वैसे सभी बच्चे वैरागी द्वारा पूछे गए इन सवालों के जवाब जानने के लिए उत्सुक थे। कहानी के अन्त में जब वैरागी ने जवाब दिए तो सभी हैरान हो गए। फिर मैंने उनसे कहा कि कहानी के अन्तिम भाग को फिर से पढ़ें। तब उनमें से कुछ को बात समझ में आई। चूँकि यह टॉल्स्टॉय की कहानी है इसलिए स्पष्ट है कि उसे समझ पाना आसान नहीं है। मुझे खुद इस अध्याय में थोड़ी कठिनाई हुई।

द स्कवैरल एक छोटी कविता है। बच्चे गिलहरियों से परिचित होते हैं और उनके पास साझा करने के लिए खुद के बहुत सारे अनुभव होते हैं जैसे कि गिलहरी बहुत शर्मीली होती है, हमें देखते ही जल्दी-से भाग जाती है। कविता की सामग्री बच्चों के जीवन के सन्दर्भ से जुड़ी हुई है। इसलिए वे इसे आसानी से समझ गए।

इकाई-2 : ए गिफ्ट ऑफ चप्पल्स (कहानी), द रिबेल (कविता)

ए गिफ्ट ऑफ चप्पल्स दक्षिण भारतीय पृष्ठभूमि की कहानी है। कहानी लम्बी है और बच्चों को पाठ से जुड़ने में मुश्किल हुई। अभ्यास काफी अच्छे हैं, विशेष रूप से बोलने और लिखने वाले हिस्से।

द रिबेल एक बहुत ही दिलचस्प कविता है। बच्चों ने कहा कि हमारी कक्षा में एक से अधिक विद्रोही हैं!

इकाई-3 : गोपाल एंड द हिल्सा फिश (हास्य चित्रकथा), द शोड (कविता)

बच्चों ने हास्य कथा का आनन्द लिया क्योंकि उसमें गोपाल, बीरबल और तेनालीरामन के चरित्र थे। बच्चों ने कहानी के रोल प्ले का आनन्द लिया। द शोड को समझने में बच्चों को आसानी हुई क्योंकि बच्चों ने उन्हें अपने गाँव में देखा है और वे उससे परिचित हैं। अध्याय के अन्त में दिए गए अभ्यासों से उन्हें अपने इलाके में डरावनी जगहों के बारे में बात करने का मौका मिलता है।

इकाई-4 : द एशोज दैट मेड ट्रीज ब्लूम (जापानी कहानी), चिवी (कविता)

द एशोज दैट मेड ट्रीज ब्लूम जापानी कहानी है जिसमें

जादुई शक्ति है जिसे बच्चे समझ गए। चिवी शीर्षक कविता से जुड़ना आसान है क्योंकि अधिकांश बच्चों को बड़ों से इस प्रकार की बातें सुनने का अनुभव है।

इकाई-5 : क्वालिटी (कहानी), ट्रीज़ (कविता)

क्वालिटी की पृष्ठभूमि लन्दन है। यह दो भाइयों की कहानी है जो जर्मनी में पैदा हुए और लन्दन में बस गए। कहानी का सन्देश अच्छा है, हालाँकि बच्चों के लिए एक मोची से जूते खरीदने के बारे में समझना मुश्किल था क्योंकि उन्होंने ऐसा नहीं देखा था। उन्होंने केवल दुकान से जूते खरीदे थे।

ट्रीज़ को समझना आसान है क्योंकि बच्चों को पेड़ों का अनुभव होता है। पाठ के अन्त में दिए गए अभ्यास दिलचस्प हैं, विशेष रूप से पानी और हवा पर कविताएँ लिखना।

इकाई-6 : एक्सपर्ट डिटेक्टिव्स (कहानी), मिस्ट्री ऑफ़ टॉकिंग फैन (कविता)

एक्सपर्ट डिटेक्टिव्स एक भारतीय की कहानी है जिसमें एक भाई और बहन एक आदमी के बारे में जानकारी इकट्ठा करने की कोशिश कर रहे हैं। वे उसके बारे में कुछ सन्दिग्ध जानकारी पाते हैं। कहानी को पढ़ते समय बच्चों ने सोचा कि कहानी के अन्त में उन्हें कहानी का चरम बिन्दु (क्लाइमेक्स) पता चलेगा। पर अन्त का निर्णय पाठकों पर छोड़ दिया गया था ताकि बच्चे अलग-अलग राय दे सकें।

मिस्ट्री ऑफ़ टॉकिंग फैन कविता को समझना आसान था क्योंकि बच्चे शोर मचाने वाले पंखों से परिचित थे। उन्होंने इस विचार को और आगे तक बढ़ाते हुए कहा कि यदि साइकिल में ठीक से तेल न डाला जाए तो वह भी बहुत शोर करती है।

इकाई-7 : द इन्वेंशन ऑफ़ वीटा-वॉक (फंतासी), डैड एंड द कैट एंड द ट्री (कविता)

द इन्वेंशन ऑफ़ वीटा-वॉक एक फंतासी है, लेकिन सामग्री में प्रयुक्त शब्दावली बहुत कठिन है। बच्चों के लिए इसकी पृष्ठभूमि से जुड़ना मुश्किल था,

हालाँकि कहानी का विषय दिलचस्प है। अध्याय के अन्त में दिए गए अभ्यास स्थानीय भाषा का उपयोग करने के अवसर देते हैं।

डैड एंड द कैट एंड द ट्री एक कविता है जिसमें एक पिता एक पेड़ से बिल्ली को नीचे लाने की कोशिश कर रहा है। इस स्थिति को ग्रामीण सन्दर्भ में बच्चे नहीं समझ पाए।

इकाई-8 : फायर : फ्रेंड एंड फो (जानकारीपूर्ण), मेडो सरप्राइजेज़ (कविता)

फायर : फ्रेंड एंड फो शिक्षाप्रद है क्योंकि यह आग के कारणों और उसे बुझाने के तरीके बताता है। बच्चे आग के खतरों को समझते हैं और इस सामग्री से जुड़ने में उन्हें आसानी हुई। मेडो सरप्राइजेज़ कविता को समझना आसान है।

हमें अभी भी निम्नलिखित अध्यायों को पूरा करना है :

इकाई-9 : ए बाइसिकल इन गुड रिपेयर (कहानी), गार्डन स्नेक (कविता)

ए बाइसिकल इन गुड रिपेयर एक हास्य कहानी है और बच्चों के लिए इसे समझना आसान है क्योंकि उन्हें साइकिल का अनुभव होता है और इससे उन्हें कहानी को समझने में मदद मिलेगी।

गार्डन स्नेक एक कविता है जो बताती है कि अधिकांश साँप मनुष्य को हानि नहीं पहुँचाते हैं। अधिकांश बच्चों ने साँपों को देखा है और वे इस दृश्य से परिचित हैं। इससे उन्हें कविता की सामग्री को समझने में मदद मिलेगी।

इकाई-10 : द स्टोरी ऑफ़ क्रिकेट, क्रिकेट के इतिहास के बारे में बताती है। वैसे तो बच्चों के लिए क्रिकेट हमेशा ही पसन्दीदा विषय होता है, लेकिन यह पाठ बहुत लम्बा है और बच्चे इससे ऊब सकते हैं।

दस में से पाँच इकाइयाँ ऐसी हैं जो मुझे कक्षा-शिक्षण के दौरान कठिन लगीं। इस कठिनाई के मुख्य कारण इस प्रकार हैं – गैर-प्रासंगिक सामग्री, लम्बे पाठ्य और जटिल शब्दावली।

नीचे लेखकों के बारे में तालिका दी गई है।

लेखक/लेखिका का नाम	संक्षिप्त नोट
लियो टॉल्स्टॉय	सुप्रसिद्ध रूसी लेखक
वसन्ता सूर्या	तमिलनाडु में जन्म और तमिल फिल्म उद्योग में निर्देशिका और अभिनेत्री के रूप में भी काम किया।
मिल्ड्रेड बॉवर्स आर्मस्ट्रांग	न्यूयॉर्क, अमरीका में जन्म, इन्हें कार्बन साइंस की रानी के रूप में भी जाना जाता है।
फ्रैंक फिलन	सिडनी में जन्म, पेशे से डॉक्टर
विलियम इलियट ग्रिफिस	फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया अमरीका में जन्म, शिक्षक
माइकेल रोजन	लन्दन, ब्रिटेन में जन्म, बच्चों के उपन्यासकार
जॉन गाल्स्वर्थी	इंग्लैण्ड में जन्म, लेखक
शर्ली बौर	न्यूयॉर्क में जन्म, लेखिका
शारदा द्विवेदी	मुम्बई में जन्म, लेखिका
मौड रुबिन	अमरीका के कोलोराडो में जन्म, लेखिका
किट राइट	यूके के क्रॉकहेम हिल में जन्म, लेखक
रोआल्ड डाह	कार्डिफ यूके में जन्म, लेखक
लुइस ब्रैंड फिलिप्स	लोवेल, मैसाचुसेट्स यूएसए में जन्म, लेखक
जेरोम के. जेरोम	इंग्लैंड के कैल्डमोर, वाल्साल में जन्म, लेखक
म्यूरियल एल. सोन	कनाडा में जन्म, लेखिका
रामचन्द्र गुहा	देहरादून में जन्म, लेखक

उपर्युक्त तालिका से पता चलता है कि सोलह लेखकों में से केवल तीन भारतीय लेखक हैं : एक तमिलनाडु से, एक मुम्बई से और एक देहरादून से।

जब मैं इस लेख के पहले भाग में उल्लिखित संकेतों के आधार पर हनीकॉम्ब को देखता हूँ तो मेरा ध्यान निम्नलिखित बिन्दुओं की ओर जाता है :

- पुस्तक में प्रासंगिक सामग्री की कमी है, खासकर जब हम ग्रामीण पृष्ठभूमि के स्कूलों में इस पुस्तक का उपयोग कर रहे हैं। हालाँकि इसे नए अधिगम के सम्पर्क में आने के अवसर के रूप में भी देखा जा सकता है।
- पुस्तक में शिक्षक के लिए नोट्स नामक भाग बहुत अच्छा है जो शिक्षक को अध्याय विशेष की सामग्री को समझने में मदद करता है।

- पुस्तक बच्चों को मनोरंजन के साथ सीखने के पर्याप्त अवसर प्रदान करती है।
- पुस्तक में स्थानीय भाषा को कक्षा में प्रयुक्त करने के अवसर भी उपलब्ध हैं।

अन्तिम टिप्पणी

मैंने इस पुस्तक का अपने स्कूल में पहली बार उपयोग किया है और ये मेरे विचार हैं।

चूँकि यह पुस्तक एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित की गई है, इसलिए यह सातवीं कक्षा के लिए अँग्रेजी पाठ्यपुस्तक के लिए निर्धारित कुछ मापदण्डों का ध्यान रखने का प्रयास करती है। किन्तु यदि पूरे भारत के स्कूलों में इस पुस्तक का उपयोग किया जाए तो, विविधता के कारण, इसकी सामग्री में निश्चित रूप से प्रासंगिकता की कमी महसूस होगी।



इस पुस्तक में विदेशी लेखकों का प्रभाव बहुत स्पष्ट है तथा इसमें और अधिक भारतीय लेखकों को शामिल करने की आवश्यकता है, हालाँकि एक ही पुस्तक में पूरे देश की सन्दर्भ सामग्री रखना लगभग असम्भव है।

अन्य दृष्टियों से यह पुस्तक सन्तुलित है क्योंकि इसमें सुगमकर्ताओं को मज़ेदार गतिविधियों के साथ पढ़ाने के पर्याप्त अवसर मिलते हैं और इसके साथ ही बच्चों के लिए रचनात्मकता की भी गुंजाइश

है। मुझे लगता है कि एनसीईआरटी की किताबों को बेहतर तरीके से समझने में बच्चों की मदद करने के लिए कम स्तर वाली अन्य पुस्तकों की आवश्यकता है।

एक अन्य सुझाव है कि : इस पुस्तक को अधिक उपयोगी बनाने के लिए एनसीईआरटी को चाहिए कि वह ऐसे कुछ पाठों को शामिल करे जो उनके क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक हों। फिर यह पुस्तक शिक्षार्थियों और सुगमकर्ताओं के लिए वरदान साबित होगी।

रवि प्रताप सिंह पिछले सात सालों से अज़ीम प्रेमजी स्कूल, मातली से जुड़े हुए हैं। वे सातवीं और आठवीं कक्षा को अँग्रेजी पढ़ाते हैं। उनसे ravi.singh@azimpremjifoundation.org पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अनुवाद : नलिनी रावल पुनरीक्षण : प्रीति मिश्रा कॉपी एडिटर : ज्योति चौरडिया